जनपद अमेठी का संक्षिप्त विवरण

जनपद अमेठी का गठन 01 जुलाई 2010 को हुआ, इसका मुख्यालय गौरीगंज में स्थित है। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3063.78 वर्ग किमी0 है, जिसमें पुरूष/स्त्री का अनुपात 1000/973 एवं साक्षरता का अनुपात 772.99/510.80 है। जनपद में कुल चार तहसील क्रमशः गौरीगंज, अमेठी, तिलोई व मुसाफिरखाना तथा 04 ही पुलिस सर्किल है। जनपद मुख्यालय गौरीगंज में स्थित है। जनपद में एक नगरपालिका जायस तथा दो नगर पंचायत क्रमशःअमेठी व मुसाफिरखाना है। जनपद का सम्पूर्ण क्षेत्र 13 ब्लाकों में बॅटा है क्रमशः1.अमेठी 2.संग्रामपुर 3.भादर 4. भेटुआ 5.मुसाफिरखाना 6.जगदीशपुर 7.बाजारशुक्ल 8.जामों 9.गौरीगंज 10.शाहगढ़ 11.तिलोई 12.बहादुरपुर 13.सिंहपुर तथा जनपद में कुल 15 थाने क्रमशः1. गौरीगंज, 2.जामों, 3.मुन्शीगंज, 4.अमेठी, 5.संग्रामपुर, 6.पीपरपुर, 7.मुसाफिरखाना 8.जगदीशपुर, 9.कमरौली, 10.बाजारशुक्ल, 11.मोहनगंज, 12.शिवरतनगंज, 13.फुरसतगंज, 14.जायस, 15.महिला थाना गौरीगंज है। कुल राजस्व ग्रामों की संख्या 999 तथा ग्राम पंचायतों की संख्या 586 व 99 न्याय पंचायत है जनपद में कुल ग्राम प्रधान 586, क्षेत्र पंचायत सदस्य 703 एवं ग्राम पंचायत सदस्य 7349 है। जनपद की अर्थव्यवस्था मूलतः कृषि प्रधान है, धान, गेहूँ, गन्ना, सरसों, अरहर आदि मुख्य फसलें है। कृषि प्रधान होने के कारण ज्यादातर जनसंख्या कृषि कार्य एवं पशुपालन में संलग्न है। काफी संख्या में खेतिहर मजदूर भी हैं। जनपद में प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान जैसे ए.सी.सी. सीमेन्ट फैक्ट्री गौरीगंज, हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड कोरवा मुन्शीगंज, भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड कमरौली, इण्डोगल्फ फर्टिलाइजर फैक्ट्री कमरौली तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड कमरौली आदि स्थित है। प्रशिक्षण संस्थान के रूप में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का भर्ती एवं प्रशिक्षण संस्थान त्रिसुण्डी, आर्मी का ब्रान्च रिक्रूटिंग ऑफिस (बी0आर0ओ0) अमेठी, एवं इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी फुरसतगंज, एफडीडीआई फुरसतगंज तथा भारतीय पेट्रोलिय अनुसंधान संस्थान जायस में स्थित है।

जनपद में महत्वपूर्ण धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल स्थित है। जिनमें प्रमुख रूप से **1.कालिकन धामः**—यह मन्दिर थाना क्षेत्र संग्रामपुर में अमेठी तहसील मुख्यालय से लगभग 10 किमी. की दूरी पर भौसिंहपुर गॉव मे प्रतिस्थापित है। देवी के प्राचीन शक्तिपीठों में इसकी गणना होती है। च्यवन ऋषि का आश्रम भी इसी धाम में स्थित है जिनके बारे में यह कहते हैं कि उन्होने च्यवनप्रास नामक औषधि के द्वारा अपना कायाकल्प कर डाला था। **2.सूफी सन्त मलिकमुहम्मद जायसी की मजारः**—अमेठी तहसील मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्रांम जंगलराम नगर में प्रसिद्ध सूफी सन्त मलिक मुहम्मद जायसी की मजार बनी हुई है। मजार पर वर्ष में एक बार देश भर से सूफी सन्तों व धार्मिक व्यक्तियों का जमावड़ा होता है जिसमें व्यवस्था में काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाता है।

3.नन्दमहर मन्दिरः—मुसाफिरखाना तहसील मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर गौरीगंज रोड पर नदियॉवा ग्राम में नन्द बाबा का प्राचीन मन्दिर स्थित है। लोक प्रसिद्धि है कि जब नन्द बाबा भगवान कृष्ण को गोकुल से मुण्डन संस्कार हेतु अयोध्या ले जा रहें थे तब रात्रि में इसी स्थान पर विश्राम किया था। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के अवसर पर बृहद मेले का आयोजन होता है जिसमें प्रदेश भर से भगवान कृष्ण के दर्शन हेतु श्रद्धालु इकट्ठा होते हैं और पूजन अर्चन करतें है। सुरक्षा हेतु थाना जामों एवं मुसाफिरखाना समेत जनपद से काफी संख्या में सुरक्षाकर्मी लगाये जाते है। **4.दुर्गन भवानीः**—यह मन्दिर जनपद मुख्यालय गौरीगंज से 7 किमी. दक्षिण—पश्चिम दिशा में स्थित है। नवरात्रि के अवसर पर 9 दिन का वृहद मेला लगता है। आस—पास के श्रद्धालु प्रातः 4 बजे से मॉ भगवती दुर्गा देवी का दर्शन करने के लिए घरों से पैदल चलकर मन्दिर धाम में पहुॅचते है। यह मन्दिर काफी प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विद्यमान है। एतिहासिक स्थल के रूप में **5.कादू नालाः**—तहसील मुख्यालय मुसाफिरखाना से वाराणसी लखनऊ मार्ग पर लगभग 06 किमी. की दूरी पर कादू नाला स्थित है। यहीं पर मेहदी हसन के नेतृत्व पर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जनरल खडग बहादुर तथा कैप्टन फ्लाउडेन के नेतृत्व में सुल्तानपुर से लखनऊ जा रही गोरखा एडवॉस गार्द के साथ लड़ाई की थी। यद्यपि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इस लड़ाई में हार गये लेकिन उनका बलिदान इतिहास के पन्नों में आज भी याद किया जाता है। साहित्यिक रचनाओं में मलिक मुहम्मद जायसी का **पद्मावत** अवधी भाषा में विश्व प्रसिद्ध कृति है जिसमें भारत के मौसम एवं ऋतुओं का अतिसुन्दर वर्णन किया गया है। जनपद में शत प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा हिन्दी बोली एवं समझी जाती है। पूरे जनपद में विशेष तौर से ग्रामीण अंचल में अवधी भाषा जनता द्वारा बोल चाल में प्रयोग की जाती है।

जनपद चुनाव की दृष्टि से काफी संवेदनशील है। राजनैतिक रूप से विश्व के मानचित्र में उच्चतम शिखर पर है जिसकी वजह से इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया की निगाहे जनपद पर कड़ी चौकसी रखे रहती हैं। जनपद की सीमा रायबरेली, सुल्तानपुर, फैजाबाद, प्रतापगढ़ व बाराबंकी से मिलती है। जनपद फैजाबाद के निकट होने के कारण छोटी—छोटी घटनाओं का असर क्रिया प्रतिक्रिया के रूप में जनपद में तुरन्त दिखता है। मिश्रित आबादी एवं धार्मिक विविधता के कारण जनपद में कुछ कस्बे अमेठी, जायस, जगदीशपुर, मुसाफिरखाना काफी संवेदनशील है। जनपद में हिन्दुओं की लगभग सभी आम जातियॉ जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य तथा अनुसूचित जातियों के लोग रहते है तथा मुसलमानों में भी सिया तथा सुन्नी दोनो ही फिरकों के लोग रहते हैं। जैन धर्म के अनुयायी भी कस्बा जायस में रहते है। भाले सुल्तानी भी यहॉ के सामाजिक ढॉचे में अपना अलग महत्व रखते हैं। विविध सामाजिक संरचना, सामाजिक स्तर धार्मिक तथा राजनैति संवेदनशीलता के कारण जनपद के महत्वपूर्ण स्थलों तथा संवेदनशील स्थानों,

होटलों, धर्मशालाओं, बस स्टेशनों, व रेलवे स्टेशनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखने की आवश्यकता है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जनपद अमेठी